

(b) if so, the duration within which India will receive the wagons; and

(c) whether those wagons are for broad or for metre gauge?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shah Nawaz Khan): (a) Yes.

(b) From January, 1957 to December, 1958.

(c) Metre Gauge.

Expert Committee on Sugar

*664. Shri Morarka: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state.

(a) whether the expert committee appointed in April, 1955 to re-examine the profit-sharing formula in the sugar industry between the cane-growers and the factories has made its report; and

(b) if so, whether Government have concluded their consideration of the recommendations of this Committee?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) Yes, Sir

(b) Not yet

Kans Reclamation Project

*667. Dr. Sushila Nayar: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether Kans reclamation project was undertaken in Jhansi District;

(b) if so, in what Tehsils and in which year;

(c) the charges per acre fixed by Government at that time;

(d) whether it is a fact that Kans reappeared in many villages undoing the effects of the original Kans reclamation project; and

(e) the action Government propose to take in this connection?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) Yes.

(p) to (e). A statement is placed on the Table of Lok Sabha. [See Appendix II, annexure No. 79.]

देहरादून-वन प्रशिक्षण केन्द्र

*६७०. श्री डामर: क्या साक्ष तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देहरादून-वन प्रशिक्षण केन्द्र में वन उप सरकाक के प्रशिक्षण के लिये श्रादिवासी जातियों के छात्रों के लिये कुछ स्थान सुरक्षित रखे गये हैं, और

(ख) यदि हा, तो इस केन्द्र में प्रशिक्षण के कितने कितने, "प्रतिवर्षी", "मैट", "हर्टिफ", "छात्र" लिये जायेंगे?

साक्ष तथा कृषि मंत्री (श्री ज० प्र० जैन): (क) जी नहीं, राज्य सरकारों से नामजद किये हुए लोगों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता।

साद्यान्न का आयात

*६७१ श्री श्रीनारायण दास: क्या साक्ष तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वर्ष में किन किन देशों से कितने परिमाण में साद्यान्न का आयात हुआ है; और

(ख) इन देशों से कितना साद्यान्न भारत के लिये रवाना हो चुका है?

साक्ष तथा कृषि मंत्री (श्री ज० प्र० जैन):

(क) विवरण सभा की टेबिल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट २, साद्यान्न सूचना ८०]

(ख) लगभग ६ लाख ३० हजार टन गेहूँ और चावल अमरीका और बर्मा से भारत-वर्ष के लिये रवाना हो चुका है।